

थारी नगरी में साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच,  
ओ दोनू आँख्या मीच,  
साँवरा दोनू आँख्या मीच,  
थारी नगरी में साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच ॥

बिन दर्शन मनड़ो नहीं माने,  
जी भर मायो म्हारो क्याने,  
नैण नचावे छाने छाने,  
अण समझी मैं लई रे कन्हैया,  
बेल प्रीत की सींच ।  
ओ थारी नगरी मे साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच ॥

थारे से भीतर लो मिलगयो,  
चाण चुकी चुपके स हिलगयो,  
लटक देख मेरो मन खिलगयो,  
घणी दूर से आयो हूँ प्रभु,  
क्यां की खिंचम खींच ।  
ओ थारी नगरी मे साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच ॥

मैं नाचू मेरो मनड़ो नाचे,

संसारी सब थाने जांचे,  
रेख नसीबा की कुण बांचे,  
सूरत सुहागण नाचे थारे,  
मन्दिरियाँ के बीच ।  
थारी नगरी मे साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच ॥

श्याम बहादुर थे मनगरिया,  
शिव के तो थारा ही जरिया,  
याँदा में दोऊं नैना झरिया,  
मोड़ घणां बैकुंठ सांकड़ी,  
मांची भिचम भीच ।  
ओ थारी नगरी मे साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच ॥

थारी नगरी में साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच,  
ओ दोनू आँख्या मीच,  
साँवरा दोनू आँख्या मीच,  
थारी नगरी में साँवरिया,  
नाँचू दोनू आँख्या मीच ॥

Singer : Sanju Sharma  
Sent By : Anant Goenka

Source:

<https://www.bharattemples.com/thari-nagri-me-sawariya-nachu-dono-aankhya-mich/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>